सामान्य विषय–3

हिन्दी

कक्षा–शिक्षणः विषयवस्तु

- पाठ्यपुस्तक में आये प्रमुख कवियों और लेखकों का सामान्य परिचय।
- श्रुत सामग्री में प्रयुक्त शब्दों, मुहावरों, लोकोक्तियों का प्रसंगानुकूल प्रयोग।
- राष्ट्रीय पर्वों, मेला, त्योहार जैसे विषयों पर अपने शब्दों में गद्य अथवा पद्य में स्वतंत्र लेखन।
- कर्ता कर्म के अनुसार क्रिया में परिवर्तन, तत्सम, तद्भव देशज रूपों का परिचय, सरल संयुक्त व मिश्रित वाक्य, वाक्यांश के लिए एक शब्द का प्रयोग।
- पाठ्यपुस्तक के अतिरिक्त अन्य पाठ्यवस्तु को पढ़कर समझना।
- औपचारिक एवं अनौपचारिक परिस्थितियों के अनुरूप उपयुक्त भाषा का प्रयोग करना।
- अधिगम प्रतिफल का मूल्यांकन, शिक्षण प्रक्रिया एवं बच्चों के क्रियाकलापों के साथ, प्रथम दो कक्षाओं में मौलिक और प्रेक्षात्मक मूल्यांकन। तथा कक्षा–3 से आगे की कक्षाओं में अन्य तकनीकों के पूरकरूप में लिखित परीक्षा का संचालन।

प्रयोगात्मक कार्य/सत्रीय/प्रोजेक्ट कार्य/मॉडलः प्रशिक्षु शिक्षकों को हिन्दी के प्रत्येक पाठ में अन्तर्निहित ज्ञान, जानकारी एवं घटनाओं के अन्तः सम्बन्धों को बच्चों तक पहुँचाने के लिए प्रोजेक्ट, मॉडल, खेल, गतिविधि, दृश्य–श्रव्य(वीडियो/आडियो), सामग्री, प्रयोग तैयार करने का कार्य दिया जायेगा। तैयार किये जा सकने वाले मॉडल/प्रोजेक्ट की सांकेतिक सूची सहायतार्थ निम्नवत् है। शिक्षकगण अन्य विषयों पर भी मॉडल/प्रोजेक्ट का निर्धारण कर सकते हैं।

- आत्मकथा एवं यात्रा वृतान्त का मौलिक लेखन।
- विभिन्न विराम चिन्हों वाले अनुच्छेदों का निर्माण।
- मुहावरों एवं लोकोक्तियों के बीच अन्तर स्पष्ट करने की सामग्री।
- शब्दों की उत्पत्ति पर मॉडल/प्रोजेक्ट।
- एक ही विषय पर लिखी गयी कविताओं के कवियों का संग्रह तैयार करना।
- समाचार–पत्रों, पत्रिकाओं से कक्षा शिक्षण के लिये उपयोगी सामग्री का संकलन तैयार करना।